राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

साहित्यकार देश और समाज को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं–राज्यपाल

पटना, 19 जनवरी 2020

''साहित्य और संस्कृति से ही किसी देश की पहचान बनती है। सूर्य की किरणें भी जहाँ नहीं पहुँच पातीं, वहाँ कवियों की नजर पहुँच जाती है। कविता समाज का दर्पण होती है, जिसमें देखकर लोग–बाग अपना चेहरा सजाते–सँवारते हैं। ''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 'दैनिक भास्कर' अखबार द्वारा स्थानीय बापू सभागार में आयोजित छः दिवसीय 'भास्कर उत्सव' का औपचारिक उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि कहा कि कवि या शायर देश और समाज को बराबर सही रास्ता बताने का काम करते हैं। समाज की विसंगतियों पर कवि कभी इशारों में तो कभी खुलकर बातें करते हैं, किन्तु उनका लक्ष्य बराबर यही रहता है कि देश और समाज कैसे प्रगति करे, कैसे विश्व में हमारी प्रतिष्ठा बढ़े।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि आज अखबार सिर्फ खबरें ही हमतक नहीं पहुँचाते, हमारे दिल और दिमाग दोनों के लिए पूरी खुराक तैयार रखते हैं। हमें कविता भी सुनवाते हैं, किसी सामाजिक–सुधार के विशेष अभियान के अवसर पर हमें दौड़ में भी शामिल करते हैं, गीत–संगीत के कार्यक्रम भी आयोजित कराते हैं, योग–गुरूओं को बुलाकर हमें 'योग' भी सिखाते हैं, फिल्मी कलाकारों के जरिये मनोरंजन भी करते हैं, और सेमिनार भी आयोजित करते हैं। मतलब कि अखबार अपने पाठकों का आज हर तरह से ख्याल रखते हैं तथा देश और समाज की प्रगति में अपनी सीधी सहभागिता निभाते हैं।

राज्यपाल ने 'भास्कर उत्सव' के सफल आयोजन के लिए भास्कर–समूह को बधाई दी।

कार्यक्रम को बिहार के पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज विश्व में आस्था, विश्वास और मूल्यों का संकट व्याप्त है। श्री पाण्डेय ने कहा कि कविता संवेदना के स्रोत को सूखने नहीं देती। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण प्रबंध सम्पादक श्री जगदीश शर्मा ने किया।

उद्‌घाटन समारोह में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री सोरेन चटर्जी, राज्य संपादक श्री सतीश कुमार सिंह, संपादक श्री प्रमोद मुकेश आदि भी उपस्थित थे।

.....